दिनांक : .०८.२०१९

प्रति,

माननीय केंद्रीय गृहमंत्री,

भारत सरकार, नई देहली.

विषय : ''जय श्रीराम', के नारे लगाने हेतु बाध्यकर मारपीट की गई', ऐसा झूठा शोर और कुप्रचार करनेवालों के विरोध में कठोर कार्रवाई करने के संबंध में ....

महोदय,

प्रभु श्रीराम करोडों हिन्दुओं के ही नहीं, अपितु संसारभर के लोगों के लिए आदर्श और हिन्दुओं के लिए परम श्रद्धेय हैं । उनका जयजयकार और स्मरण जितना किया जाए अल्प ही है; परंतु गत कुछ दिनों से 'जय श्रीराम' का जयघोष बलपूर्वक करवाया' तथा 'हमारे साथ हिन्दुओं ने मारपीट की', ऐसा आक्रोश धर्मांध और तथाकथित आधुनिकतावादियों द्वारा किया जा रहा है । उससे भी आगे जाकर 'जय श्रीराम' के नारे का विरोध करनेवालों की भीड द्वारा हत्या हो रही है', ऐसा कहकर उन्होंने क्रोध से पैर पटकना भी प्रारंभ कर दिया है ।

- **इस संदर्भ में घटी घटना और उसके पीछे की वास्तविकता क्या है ?**
- **१. औरंगाबाद, महाराष्ट्र की घटना :** औरंगाबाद में कुछ दिन पूर्व 'एक मुसलमान व्यक्ति को हिन्दुओं ने रोका और 'जय श्रीराम' बोलने का आग्रह किया, एवं उसने वैसा नहीं कहा; इसलिए हिन्दुओं ने उसके साथ मारपीट की', ऐसा आरोप लगाकर उसपर बडी मात्रा में चर्चा, कुप्रचार किया गया; परंतु दो दिनों में ही उस मुसलमान व्यक्ति ने स्वयं ही स्वीकार किया कि, उसपर 'जय श्रीराम' कहने के लिए किसी ने बलप्रयोग नहीं किया था । वास्तव में इस प्रकरण में उस व्यक्ति को झूठी शिकायत करने हेतु बाध्य किया गया तथा भीड को भडकाने के प्रकरण में वहां के पार्षद शेख अजीम को पुलिस ने बंदी बनाया है ।
- **२. चंदौली, उत्तरप्रदेश की घटना :** चंदौली में कुछ दिन पूर्व 'जय श्रीराम' न कहने के कारण खलिल अन्सारी नामक १५ वर्षीय मुसलमान लडके को जलाने का समाचार प्रसारित हुआ था; परंतु अब सामने आया है कि इस लडके ने स्वयं आत्मदाह करने का प्रयत्न किया था । खलिल अन्सारी सबेरे घूमने जाने की बात कहकर बाहर निकला था । उसने बताया था कि जब वह छतेम गांव के निकट पहुंचा, तब '४ युवक उसके मुख पर कपडा बांधकर उसे खेत में ले गए तथा उसपर तेल डालकर जला दिया तथा वहां से भाग गए ।'वास्तव में घटनास्थल पर कोई नहीं था एवं उसने स्वयंपर तेल डालकर जला लिया था । यह घटना वहां निकट ही उपस्थित एक व्यक्ति ने पुलिस को बताई । इस घटना के पश्चात कुछ लोगों ने अन्सारी की मां को बताया कि 'जय श्रीराम' कहने से मना करने पर मारपीट हुई, ऐसा कहने से प्रसिद्धी मिलेगी । यह घटना उजागर होनेपर उत्तरप्रदेश पुलिस ने 'ट्वीट' किया और बताया कि 'यह घटना तथ्यहीन है और द्वेष फैलाने के लिए रची गई है । इसके संबंध में सामाजिक माध्यमों से अफवाह फैलानेवालों पर कार्रवाई की जाएगी ।'

३. उन्नाव, उत्तरप्रदेश की घटना : उन्नाव के एक मदरसे का एक विद्यार्थी मैदान पर क्रिकेट खेल रहा था तथा उसने 'जय श्रीराम' न कहनेपर कुछ लोगों ने उसके साथ मारपीट की, ऐसा समाचार प्रसारित किया

गया था । इसके साथ ही यह समाचार भी प्रसारित हुआ था कि कानपुर में भी कुछ घटनाओं में 'जय श्रीराम' के नारे न लगाने के कारण मारपीट की गई । राज्य के पुलिस महासंचालक ओ.पी. सिंह ने बताया कि उक्त दोनों प्रकरण और घटनाएं झूठी हैं । सिंह ने आगे बताया कि, उत्तरप्रदेश में जातीय दंगे भडकाने के लिए धर्मांधों ने 'जय श्रीराम' के नारे न लगाने का कारण बताया है ।

* **इस संदर्भ में निम्नांकित सूत्र आपके निदर्शन में ला रहे हैं –**

१. उक्त सभी घटनाओं से स्पष्ट होता है कि, वास्तविक घटनाओं का कारण अलग होता है; परंतु पुलिस में की जा रही शिकायतों में अलग उल्लेख किया जाता है ।

२. इन घटनाओं के अनुषंग से 'पुरस्कार वापसी' करनेवाले तथाकथित समाजसेवक, लेखक और कलाकारों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र भेजा है । इस पत्र में कहा है कि राम का नाम लेकर देश में आजतक भीड द्वारा मारपीट के २५४ अपराध हुए हैं । ऐसी घटनाओं के अपराधियों पर कार्रवाई कब होगी ? इन घटनाओं में लिप्त दोषियों पर गैरजमानती अपराध प्रविष्ट किया जाए तथा ऐसे दंड का प्रावधान किया जाए, जिससे वे भयभीत हों ।

३. इन पत्रलेखकों ने ऐसा पत्र कभी केरल में साम्यवादियों द्वारा हुई संघ स्वयंसेवकों की हत्या, बंगाल में हो रही भाजपा के कार्यकर्ताओं की हत्या, कर्नाटक में 'पॉप्युलर फ्रन्ट ऑफ इंडिया' नामक धर्मांधों के संगठन द्वारा की गई ८ हिन्दुत्वनिष्ठों की हत्या, कश्मीर में जिहादी आतंकवाद से पीडित हिन्दुओं की व्यथा के संदर्भ में कभी कुछ लिखा है, ऐसा सुनने में नहीं आया है । कदाचित ऐसी घटनाओं में पीडित समाज बहुसंख्य वर्ग का होने के कारण उनपर होनेवाले अत्याचारों की ओर ध्यान देने की इन नामी व्यक्तियों को आवश्यकता नहीं पडी होगी । यह दोगलापन दुर्भाग्यपूर्ण है ।

४. देशभर में हो रही इन सभी घटनाओं की सत्यता न देखकर 'संपूर्ण हिन्दु समाज को आरोपी के कटघरे में खडा करना' अथवा 'मॉब लिंचिंग' के अनुषंग से भारत का नकारात्मक चित्र खडा करना भी निंदनीय है ।

५. ''जय श्रीराम'' कहना अनिवार्य होने की कथित घटनाएं एक ही अवधि में देश के विविध क्षेत्रों में घटने का प्रस्तुतीकरण भी एक षड्यंत्र दिखाई देता है । इसके तार भारत सहित विदेशों में भी होने की संभावना को नकारा नहीं जा सकता ।

* **इस अनुषंग से हमारी निम्नांकित मांगे हैं .....**

१. 'मॉब लिंचिंग' से संबंधित सभी प्रकरणों का अन्वेषण विशेष अन्वेषण दल नियुक्तकर किया जाए ।

२. 'जय श्रीराम', के नारे न लगाने से मारपीट हुई', ऐसा झूठ शोर मचानेवाले तथा कुप्रचार करनेवालों के विरोध में कठोर कार्रवाई की जाए ।

३. जिसप्रकार सेक्युलरवादियों की मांगपर तुरंत हिन्दुत्वनिष्ठों को बंदी बनाया जाता है, उसी प्रकार हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार, हिन्दुओं की हो रही हत्याओं के विरोध में भी ठोस और शीघ्रता से कृत्य किया जाए तथा सभी समाजघटकों पर हो रहे अन्याय के संबंध में समता दिखाकर कार्रवाई की जाए ।

आपका विश्वासपात्र,

संपर्क :